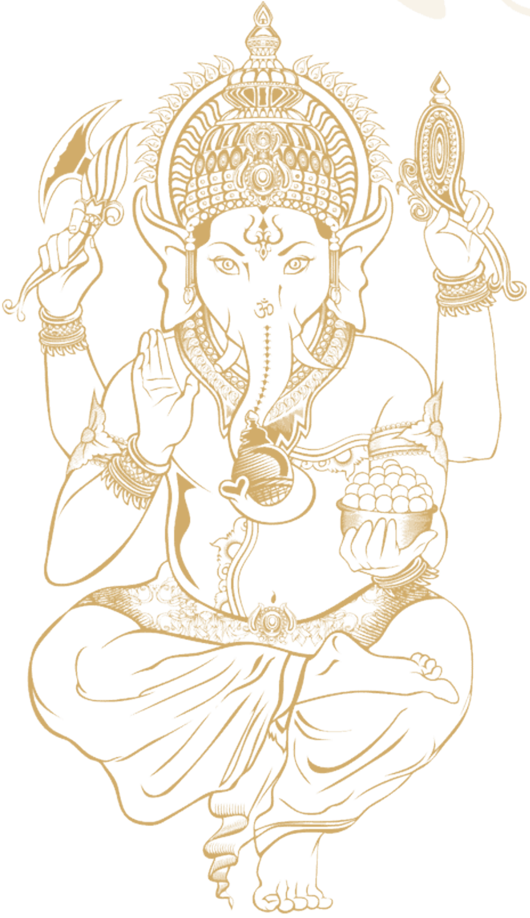

Lokesh bhardwaj

08 Jun 1983

10:00 AM

Jalesar

Model: web-FreeVarshphal

Order No: 121443802

पुल्लिंग	लिंग	पुल्लिंग
08/06/1983	जन्म तिथि	**08/06/2026**
बुधवार	दिन	सोमवार
घंटे 10:00:00	जन्म समय	10:36:58 घंटे
घटी 11:36:58	जन्म समय(घटी)	13:09:25 घटी
India	देश	India
Jalesar	स्थान	Jalesar
उत्तर 27:29:00	अक्षांश	27:29:00 उत्तर
पूर्व 78:18:00	रेखांश	78:18:00 पूर्व
पूर्व 82:30:00	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:16:48	स्थानिक संस्कार	-00:16:48 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:21:12	सूर्योदय	05:21:12
19:10:21	सूर्यास्त	19:10:35
23:37:14	चित्रपक्षीय अयनांश	24:13:42
कर्क	लग्न	सिंह
चन्द्र	लग्न लग्नाधिपति	सूर्य
मेष	राशि	कुम्भ
मंगल	राशि-स्वामी	शनि
भरणी	नक्षत्र	पू०भाद्रपद
शुक्र	नक्षत्र स्वामी	गुरु
1	चरण	1
अतिगण्ड	योग	प्रीति
तैतिल	करण	बालव
ली-लीलाधर	जन्म नामाक्षर	से-सेविका
मिथुन	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मिथुन
क्षत्रिय	वर्ण	शूद्र
चतुष्पाद	वश्य	मानव
गज	योनि	सिंह
मनुष्य	गण	मनुष्य
मध्य	नाड़ी	आद्य
मृग	वर्ग	मेष
43	गत/तत्कालिक वर्ष	44

FUTUREPOINT Astro Solutions
एक्स-35, ओखला फेज-2, नई दिल्ली-110020 फोनः- 011-40541000, 40541020
Web: www.futurepointindia.com, e-mail: mail@futurepointindia.com

जन्म - विवरण | वर्ष - विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व	अ	ग्रह	व	अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
आश्लेषा	3	24:02:52	कर्क			लग्न			सिंह	01:57:27	1	मघा
रोहिणी	4	23:13:00	वृष			सूर्य			वृष	23:13:00	4	रोहिणी
भरणी	1	13:51:49	मेष			चंद्र			कुंभ	20:46:47	1	पू०भाद्रपद
रोहिणी	4	21:58:09	वृष		अ	मंगल			मेष	20:51:14	3	भरणी
कृतिका	1	29:30:30	मेष			बुध			मिथु	16:04:43	3	आर्द्रा
अनुराधा	3	11:01:28	वृश्चि	व		गुरु			कर्क	01:13:48	4	पुनर्वसु
पुष्य	2	08:20:34	कर्क			शुक्र			मिथु	29:39:13	3	पुनर्वसु
चित्रा	4	04:32:25	तुला	व		शनि			मीन	18:35:39	1	रेवती
मृगशिरा	3	01:29:35	मिथु	व		राहु			कुंभ	08:41:44	1	शतभिषा
मूल	1	01:29:35	धनु	व		केतु			सिंह	08:41:44	3	मघा
अनुराधा	3	13:04:16	वृश्चि	व		मु			कुंभ	24:02:52	2	पू०भाद्रपद

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:42

लग्न-चलित

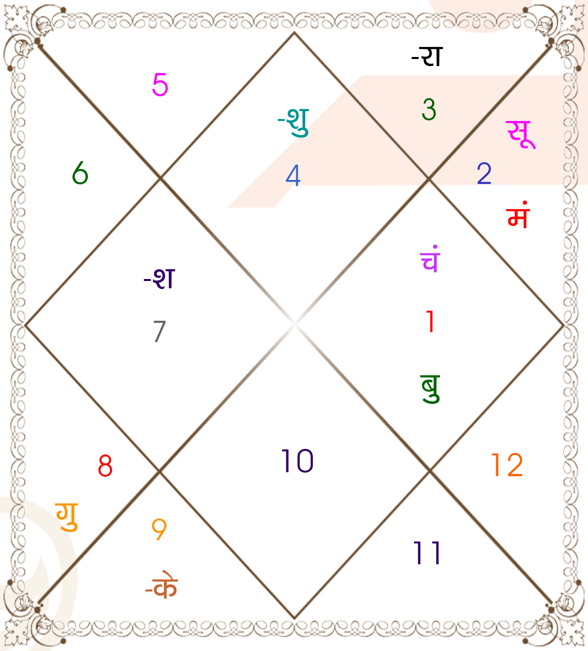

वर्ष लग्न कुंडली

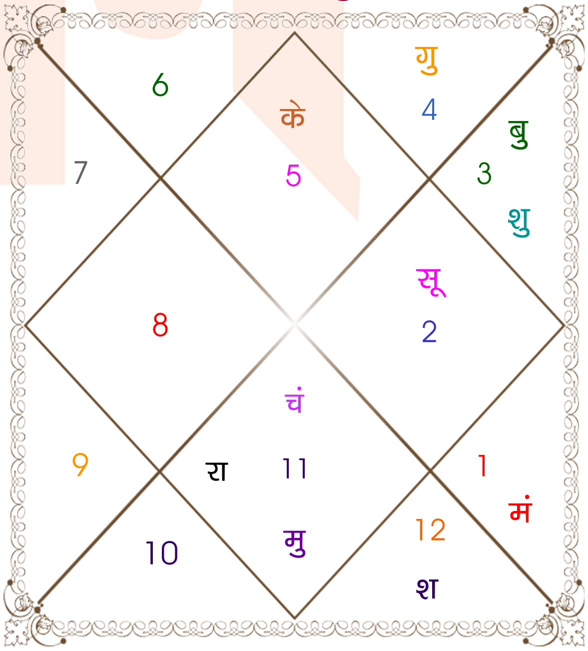

FUTUREPOINT Astro Solutions
एक्स-35, ओखला फेज-2, नई दिल्ली-110020 फोनः- 011-40541000, 40541020
Web: www.futurepointindia.com, e-mail: mail@futurepointindia.com

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

राहु - राहु - गुरु	
16/01/2026 14:11	
28/05/2026 01:57	
गुरु	03/02/2026 02:57
शनि	23/02/2026 22:37
बुध	14/03/2026 13:41
केतु	22/03/2026 05:46
शुक्र	13/04/2026 03:44
सूर्य	19/04/2026 17:31
चंद्र	30/04/2026 16:30
मंगल	08/05/2026 08:35
राहु	28/05/2026 01:57

राहु - राहु - शनि	
28/05/2026 01:57	
31/10/2026 05:25	
शनि	21/06/2026 19:18
बुध	13/07/2026 22:11
केतु	23/07/2026 00:47
शुक्र	18/08/2026 01:22
सूर्य	25/08/2026 20:44
चंद्र	07/09/2026 21:02
मंगल	16/09/2026 23:38
राहु	10/10/2026 09:45
गुरु	31/10/2026 05:25

राहु - राहु - बुध	
31/10/2026 05:25	
19/03/2027 22:24	
बुध	20/11/2026 00:25
केतु	28/11/2026 04:01
शुक्र	21/12/2026 10:51
सूर्य	28/12/2026 10:30
चंद्र	09/01/2027 01:54
मंगल	17/01/2027 05:30
राहु	07/02/2027 04:27
गुरु	25/02/2027 19:31
शनि	19/03/2027 22:24

राहु - राहु - केतु	
19/03/2027 22:24	
16/05/2027 11:03	
केतु	23/03/2027 06:57
शुक्र	01/04/2027 21:03
सूर्य	04/04/2027 18:05
चंद्र	09/04/2027 13:08
मंगल	12/04/2027 21:40
राहु	21/04/2027 12:46
गुरु	29/04/2027 04:51
शनि	08/05/2027 07:28
बुध	16/05/2027 11:03

राहु - राहु - शुक्र	
16/05/2027 11:03	
27/10/2027 19:45	
शुक्र	12/06/2027 20:30
सूर्य	21/06/2027 01:44
चंद्र	04/07/2027 18:28
मंगल	14/07/2027 08:34
राहु	08/08/2027 00:16
गुरु	29/08/2027 22:14
शनि	24/09/2027 22:49
बुध	18/10/2027 05:39
केतु	27/10/2027 19:45

राहु - राहु - सूर्य	
27/10/2027 19:45	
16/12/2027 03:10	
सूर्य	30/10/2027 06:55
चंद्र	03/11/2027 09:32
मंगल	06/11/2027 06:34
राहु	13/11/2027 16:05
गुरु	20/11/2027 05:52
शनि	28/11/2027 01:15
बुध	05/12/2027 00:54
केतु	07/12/2027 21:56
शुक्र	16/12/2027 03:10

राहु - राहु - चंद्र	
16/12/2027 03:10	
07/03/2028 07:31	
चंद्र	22/12/2027 23:31
मंगल	27/12/2027 18:35
राहु	09/01/2028 02:26
गुरु	20/01/2028 01:25
शनि	02/02/2028 01:42
बुध	13/02/2028 17:07
केतु	18/02/2028 12:10
शुक्र	03/03/2028 04:54
सूर्य	07/03/2028 07:31

राहु - राहु - मंगल	
07/03/2028 07:31	
03/05/2028 20:09	
मंगल	10/03/2028 16:03
राहु	19/03/2028 07:09
गुरु	26/03/2028 23:14
शनि	05/04/2028 01:50
बुध	13/04/2028 05:25
केतु	16/04/2028 13:58
शुक्र	26/04/2028 04:04
सूर्य	29/04/2028 01:06
चंद्र	03/05/2028 20:09

राहु - गुरु - गुरु	
03/05/2028 20:09	
28/08/2028 17:17	
गुरु	19/05/2028 10:10
शनि	06/06/2028 22:19
बुध	23/06/2028 11:42
केतु	30/06/2028 07:20
शुक्र	19/07/2028 18:52
सूर्य	25/07/2028 15:07
चंद्र	04/08/2028 08:53
मंगल	11/08/2028 04:30
राहु	28/08/2028 17:17

राहु - गुरु - शनि	
28/08/2028 17:17	
14/01/2029 12:21	
शनि	19/09/2028 16:42
बुध	09/10/2028 08:36
केतु	17/10/2028 10:55
शुक्र	09/11/2028 14:06
सूर्य	16/11/2028 12:39
चंद्र	28/11/2028 02:14
मंगल	06/12/2028 04:33
राहु	27/12/2028 00:13
गुरु	14/01/2029 12:21

राहु - गुरु - बुध	
14/01/2029 12:21	
18/05/2029 16:48	
बुध	01/02/2029 02:35
केतु	08/02/2029 08:27
शुक्र	01/03/2029 01:11
सूर्य	07/03/2029 06:12
चंद्र	17/03/2029 14:35
मंगल	24/03/2029 20:26
राहु	12/04/2029 11:30
गुरु	29/04/2029 00:54
शनि	18/05/2029 16:48

राहु - गुरु - केतु	
18/05/2029 16:48	
08/07/2029 20:02	
केतु	21/05/2029 16:23
शुक्र	30/05/2029 04:55
सूर्य	01/06/2029 18:17
चंद्र	06/06/2029 00:33
मंगल	09/06/2029 00:09
राहु	16/06/2029 16:14
गुरु	23/06/2029 11:52
शनि	01/07/2029 14:11
बुध	08/07/2029 20:02

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर आप कफ तथा शीतादि रोगों से कष्ट एवं परेशानी की अनुभूति करेंगे। साथ ही मानसिक स्थिति भी अशान्त तथा व्याकुल रहेगी। मित्र एवं बन्धु वर्ग से आपके संबंध मधुर नहीं रहेंगे फलतः आपसी सहयोग एवं सुख के भाव में न्यूनता रहेगी तथा यदा कदा संबंधों में तनाव भी उत्पन्न होगा जिससे परस्पर कष्ट प्राप्त होगा। इस समय दुष्ट मनष्यों तथा चोर आदि से भी परेशानी होगी तथा घर में किसी चोरी की संभावना बनेगी। अतः आपको ऐसे समय में सावधान रहना चाहिए। इस समय आपकी पारिवारिक सुख शान्ति भी अच्छी नहीं रहेगी तथा स्त्री एवं संतति पक्ष से संबंधों में तनाव रहेगा फलतः उनसे विशेष सुख एवं सहयोग की प्राप्ति नहीं होगी तथा दाम्पत्य जीवन भी प्रभावित रहेगा।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति के लिए वर्ष प्रतिकूल रहेगा। इस समय व्यापार में समस्याएं उत्पन्न होंगी तथा हानि की भी संभावना रहेगी तथा आपके लाभ मार्ग भी अवरुद्ध होंगे। इसके साथ ही नौकरी या राजनीति में भी कार्य संबधी परेशानी रहेगी तथा पदोन्नति में विलम्ब तथा व्यवधान उत्पन्न होंगे। इस समय उच्चाधिकारी वर्ग या वरिष्ठ सहयोगियों से भी आपके संबंध अच्छे नहीं रहेंगे तथा ये लोग आपसे अप्रसन्न तथा असन्तुष्ट रहेंगे। अतः ऐसे समय में इनकी उपेक्षा न करें तथा आज्ञा पालन में तत्परता रखें।आपकी आर्थिक स्थिति भी इस समय अच्छी नहीं रहेगी। इसके अतिरिक्त यात्रा आदि में भी हानि तथा कष्ट की संभावनाएं बनेगी अतः ऐसे समय में यात्रा की उपेक्षा करें। अतः इस वर्ष को आप अत्यंत ही शान्तिपूर्वक व्यतीत करें तथा समय के बीतने की प्रतीक्षा करें।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य विशेष अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर कष्ट एवं परेशानी की अनुभूति करते रहेंगे। इस समय आपकी मानसिक स्थिति भी विशेष अच्छी नहीं रहेगी तथा अशान्ति एवं असन्तुष्टि का भाव मन में विद्यमान रहेगा। स्त्री एवं बन्धुवर्ग से आपको विशेष सुख एवं सहयोग अल्प ही मिलेगा तथा इनसे समय समय पर आपको अनावश्यक समस्याएं तथा परेशानियां उत्पन्न होंगी। शत्रु पक्ष से भी आप इस समय चिन्तित रहेंगे तथा आपके लिए वे उन्नति के मार्ग में व्यवधान उत्पन्न करते रहेंगे। धर्म के प्रति भी आपके मन में विशेष श्रद्धा नहीं रहेगी तथा धार्मिक कार्य कलापों की आप उपेक्षा करेंगे। साथ ही लोभ एवं मोह में आपकी अधिक आसक्ति रहेगी।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति एवं सफलता के लिए भी वर्ष अनुकूल नहीं रहेगा तथा उन्नति के मार्ग में व्यवधान होंगे अतः नौकरी या राजनीति के क्षेत्र में वरिष्ठ सहयोगी अथवा उच्चाधिकारी वर्ग से सावधान रहें एवं उनकी आज्ञा का पालन करें ।साथ ही व्यापार आदि में भी सहयोगियों से सावधान रहें एवं किसी नए कार्य पर व्यय न करें तथा प्रारंभ भी न करें अन्यथा असफलता ही अधिक मिलेगी। मित्र वर्ग से भी इस समय आप को विशेष सहयोग नहीं मिलेगा तथा वे भी ऐसे समय में शत्रु की तरह की तरह व्यवहार करेंगे ।मानसिक रूप से भी आप में दुर्बलता रहेगी तथा किसी प्रकार के बन्धन का भी भय लगा रहेगा ।अतः ऐसे समय में आपको अत्यंत ही संयम एवं सावधानी पूर्वक अपना समय व्यतीत करना चाहिए।